विवि ने मनाया स्थापना दिवस

कोटा में कृषि कॉलेज की जरूरत

स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद प्रोफेसर।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

कोटा. कृषि विश्वविद्यालय का पांचवां स्थापना दिवस गुरुवार को कृषि अनुसंधान केंद्र उम्मेदगंज फार्म में मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि आरटीयू के कुलपति एनपी कौशिक रहे। अध्यक्षता कृषि विवि के कुलपति जीएल केशवा ने की। उन्होंने चार साल की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। साथ ही कृषि महाविद्यालय की आवश्यकता जताई। यहां वर्तमान में 14 हजार क्विंटल बीज का उत्पादन किया जा रहा है। 4 दलहन बीज हब स्वीकृत है। विवि में 55 करोड़ के पांच प्रोजेक्ट संचालित है। इस दौरान विवि के अनुसंधान निदेशक प्रताप सिंह धाकड़, प्रसार शिक्षा निदेशक केएम गौतम, मानव संसाधन विकास निदेशक के एन ओझा मौजूद थे।

पत्रिका Fri, 15 September 2017
epaper.patrika.com//c/22159646

आयोजन | कृषि विश्वविद्यालय कोटा का पांचवां स्थापना दिवस, गिनाई उपलब्धियां

14 हजार क्विंटल बीज उत्पादन कर रहा है कृषि विश्वविद्यालय : केशवा

सिटी रिपोर्टर | कोटा

स्थापना दिवस समारोह के दौरान सेमिनार में खेती के नये तरीकों की जानकारी भी दी गई।

कृषि विश्वविद्यालय कोटा का पांचवां स्थापना दिवस कृषि अनुसंधान केंद्र उम्मेद गंज में मनाया गया। इसके मुख्य अतिथि आरटीयू के कुलपति प्रो. एनपी कौशिक थे। अध्यक्षता कृषि विवि के कुलपति प्रो. जीएल केशवा ने की। कुलपति केशवा ने कृषि विश्वविद्यालय के 4 साल के कार्यकाल की गतिविधियों व उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि विवि ने शिक्षण, अनुसंधान एवं प्रसार शिक्षा में अच्छी प्रगति की है। इसे विवि तथा उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़ को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली एवं देहरादून से मान्यता मिली। इससे विवि के विकास के लिए लिए अधिक बजट प्राप्त हो सकेगा। साथ ही उन्होंने विवि मुख्यालय पर कृषि महाविद्यालय होने की आवश्यकता है। विवि वर्तमान में करीब 14 हजार क्विंटल बीज का उत्पादन कर रहा है। विवि को 4 दलहन सीड हब स्वीकृत हुए हैं। इससे बीज उत्पादन क्षमता को दोगुना करने में मदद मिलेगी। विवि के वैज्ञानिक के पास करीब 55 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स हैं, इससे विवि के कार्य को गति मिलेगी। इसका तेजी से विकास होगा। विवि की विभिन्न इकाइयां व वैज्ञानिकों द्वारा किए गए कार्यों के लिए विभिन्न संस्थाओं द्वारा पुरस्कृत किया गया है।

मुख्य अतिथि प्रो. एनपी कौशिक ने कहा कि देश के विकास में कृषि का महत्वपूर्ण योगदान है। करीबन 58 प्रतिशत रोजगार कृषि क्षेत्र से मिलता है। जीडीपी में कृषि करीब 15 फीसदी हिस्सा है। इस पहलू को ध्यान में रखते हुए। जीडीपी में कृषि का करीब 15 फीसदी हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कृषि में कौशल विकास के माध्यम से क्षमता का वर्धन करें रोजगार देने वाले बने न कि लेने वाले। साथ ही कृषि शिक्षा से सीधा किसानों को लाभ हो। प्रो. एलके दशोरा ने संरक्षित एवं उच्च तकनीक उत्पादन से संबंधित व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि इसके माध्यम से किसान कम क्षेत्रफल में अधिक आय ले सकता है। कार्यक्रम में अंत में कुलसचिव सियाराम मीणा ने आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन वैज्ञानिक डॉ. मुकेश गोयल ने किया।

अधिकारियों ने देखा कृषि अनुसंधान केंद्र

कार्यक्रम के बाद सभी अतिथियों ने कृषि अनुसंधान केंद्र उम्मेद गंज स्थित शहद प्रसंस्करण इकाई, अनुसंधान प्रायोगिक क्षेत्र व यांत्रिकी कृषि फार्म स्थित बीज विद्यायन इकाई को देखा।

ये मौजूद रहे : कार्यक्रम में कृषि विवि के निदेशक अनुसंधान डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. केएस गौतम, डॉ. केएन ओझा, डॉ. ममता तिवारी, डॉ. एमसी जैन, वित्त नियंत्रक विधि शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. आईवी मौर्य सहित सभी विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक, अध्यक्ष, प्रभारी अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।